भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4081
बुधवार, 22 दिसम्बर, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

बिजली का गिरना और जलवायु परिवर्तन

4081 श्री बृजेन्द्र सिंह:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 2018 के बाद से प्रति वर्ष बिजली गिरने की घटनाओं में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है;
(ख) क्या बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के बीच संभावित संबंध की कोई जांच की गई है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी निष्कर्ष क्या है; और
(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हाल के अध्ययनों के अनुसार, भारत में पिछले दो दशकों में बिजली गिरने की घटनाओं में बढ़ने की प्रवृत्ति देखी गई है। पूर्वोत्तर, पूर्व और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में पिछले 2 दशकों में बिजली गिरने की घटनाओं में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है। ये वृद्धि मध्य भारत में मामूली और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य है। किसी भी अन्य प्राकृतिक खतरे की तरह, बिजली गिरना भी अंतर वलयाकार परिवर्तनशीलता प्रदर्शित करती है। 2019 की तुलना में, 2020 में बिजली गिरने की घटनाओं में 25% की वृद्धि हुई है। तथापि, 2021 में, जून तक के आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 की इसी तदनुरुपी अवधि की तुलना में बिजली गिरने में 10% की कमी आई है।

(ख) जी, नहीं। तथापि, ग्लोबल वार्मिंग के कारण , देश में बिजली गिरने की घटनाओं सहित विभिन्न चरम मौसम की स्थितिओं में वृद्धि देखी गई है, जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हुई ऐसी घटनाओं में वृद्धि के अनुरूप है।

(ग) प्रश्न नही उठता ।

(घ) बिजली गिरना, गरज के साथ जुड़ी एक विनाशकारी मौसम घटना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के माध्यम से, नियमित अपडेट के साथ पांच दिन पहले गरज और संबंधित मौसम की घटनाओं के लिए पूर्वानुमान और चेतावनी जारी करता है।

*****